>

Title: Need to arrest the culprits responsible for death of an airhostess in Delhi.

श्री वीरेन्द्र कश्यप: अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद करता हूं। गत दिनों पांच अगस्त को गितिका शर्मा नाम की एक युवती दिल्ली स्थित अपने निवास स्थान पर एक पंखे से लटकी पाई गई, जो कि मृत घोषित की गई। इसी स्थान पर उक्त महिला एमडीएलआर एयरलाइंस में पूर्व में एयर होस्टेस के पद पर कार्यरत थी। इसके द्वारा एक हस्त लिखित सूसाइड नोट भी प्राप्त हुआ है। जिसमें उसने लिखा कि एमडीएलआर के मालिक और हरियाणा के गृह मंत्री पद पर रहे...(व्यवधान)* तथा एक अन्य महिला अधिकारी उसकी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार हैं। उसने अपने इस सूसाइड नोट में यह भी लिखा कि...(व्यवधान) *...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप नाम मत लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र कश्यप: उसने अपने सूसाइड नोट में लिखा कि इस व्यक्ति ने मेरी जिन्दगी बर्बाद कर दी। मेरी मौत के लिए वही जिम्मेदार हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Do not argue.

â€¦(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र कश्यप: मैडम, ये उसके सूसाइड नोट में लिखा है। उसमें यह भी लिखा है कि...(व्यवधान) * विश्वास के लायक नहीं, जो मेरे साथ हुआ, ऐसा किसी के साथ न हो, इसलिए यह कदम उठाया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए। क्या हो गया?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए, हम सुन रहे हैं। Give him a chance. You please sit down.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Why are you always challenging what I say? Why do you always argue?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए, हम भी कुछ कह रहे हैं न। अनुराग जी, आप भी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Why are you trying to disturb your own party Member? You are disturbing your own party Member.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए। रिकार्ड में कुछ और नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

MADAM SPEAKER: Then, I will call the next Member. Shri Yashwant Sinha.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: ये तो कोई बात नहीं हुई।

श्री वीरेन्द्र कश्यप: मैडम, मुझे दो मिनट का समय दे दीजिए, मैं अपनी पूरी बात कह दूं। उक्त शब्दों से साफ-साफ मालूम होता है कि जिस तरह से मानसिक तौर से.* जो कि इतने ऊंचे पद पर तैनात रहा हो, किस प्रकार से एक साधारण परिवार की महिला को मानसिक तौर से प्रताड़ित कर उस पर दबाव बना रहा था। जिस कारण उक्त महिला को अपनी जान ही गंवा देनी पड़ी। हालांकि उक्त मंत्री ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, परन्तु केवल इस्तीफा दे देना ही काफी नहीं है। उसे तुंत पुलिस के पास जाकर इस बारे में बात करनी चाहिए थी।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि यह खेद का विषय है कि..*. आज पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और उसे अनियंत्रित घोषित किया गया है। इसमें दिल्ली पुलिस की भी मिलीभगत लग रही है। जिसके खिलाफ आईपीसी की कई धाराएं दाखिल हो चुकी हों, उसे खुला छोड़ कर रखा, कई दिनों तक उसे गिरफ्तार नहीं किया। इसी प्रकार हरियाणा सरकार की पुलिस इस मामले में....*. को बचाने में लगी हुई है। आज इस प्रकरण के बारे में जिस प्रकार की जानकारियां मीडिया में आ रही हैं, वे बहुत भयावह हैं। इससे लगता है कि एक मंत्री, जो हरियाणा सरकार में गृह मंत्री हो, वह इस तरह का कुकृत्य कर रहा हो और सरकार बिल्कुल अनभिज्ञ हो, यह देखने वाली बात है।

अतः मेरी केन्द्रीय सरकार से मांग है कि * को तुरन्त गिरफ्तार किया जाये, ताकि गीतिका के परिवार को न्याय मिल सके और वास्तविक स्थिति जनता के सामने

आ सके।

मैंने अपनी बात आपके सामने रखी, धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदया:

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री रमेन डेका,

श्री अनुराग सिंह ठाकुर और

श्री पन्ना लाल पूनिया को श्री वीरेन्द्र कश्यप के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।